**Annexure – 'H'**

# पाठ्यक्रम
## संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्) 122
## नवमी कक्षा (2012-13)
## सततं व्यापकम् मूल्यांकनम् (द्वितीयं सत्रम्)

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | (i) | रचनात्मक-मूल्यांकन | - | 3 | - | 10% | 20% |
| | (ii) | रचनात्मक-मूल्यांकनम् | - | 4 | - | 10% | |
| 2. | संकलनात्मक-मूल्यांकन | | - | 2 | - | 30% | |

(Summative Assessment-2)

1. रचनात्मक-मूल्यांकन संस्कत रचनात्मकानि कार्याणि, व्यवहारे संस्कृत-प्रयोगः, गतिविध कक्षाकार्याणि।
2. संकलनात्मकमूल्यांकनाय परीक्षणपत्रम् (मार्चमासे) परीक्षणपत्रे चत्वारः खण्डाः भविष्यन्ति -

| | | |
|---|---|---|
| 'क' खण्डः | अपठित-अवबोधनम् | 10 |
| 'ख' खण्डः | रचनात्मक-कार्यम् | 15 |
| 'ग' खण्डः | अनुप्रयुक्त-व्याकरणम् | 30 |
| 'घ' खण्डः | पठित-अवबोधनम् | 35 |
| **खण्डानुसारं विषयाः मूल्यभारः च** | | **90** |

| **खण्डः** | **विषयाः** | **प्रश्नप्रकाराः** | **प्रश्नसंङ्ख्याः** | **मूल्यभारः** |
|---|---|---|---|---|
| | | **अपठित-अवबोधनम्** | | |
| 'क' (1) | एकः अनुच्छेदः | बहुविकल्पात्मकाः<br>लघूत्तरात्मकाः | | 10 |
| | **कुलभारः** | | | 10 |
| ख | | **रचनात्मककार्यम्** | | 15 |
| (2) | अनौपचारिकं पत्रम् | निबन्धात्मकाः | 1 | 5 |
| (3) | चित्रवर्णनम् वा अनुच्छेदलेखनम् | निबन्धात्मकाः | 1 | 10 |
| | **पूर्णभारः** | | | 15 |
| 'ग' | | **अनुप्रयुक्तव्याकरणम्** | | 30 |
| (4) | हलन्त-शब्द-रूपाणि | बहुविकल्पात्मकाः | | 6 |
| (5) | संख्यावाचकशब्दाः | लघूत्तरात्मकाः | | 6 |
| (6) | धातुरूपाणि (लोट्-विधिः) | बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 6 |
| (7) | उपपदविभक्तयः | बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 6 |
| (8) | प्रत्ययाः | बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 6 |
| | **कुलभारः** | | | 30 |
| **'घ'** | | **पठित-अवबोधनम्** | | 35 |
| (9) | गद्यांशः | लघूत्तरात्मकाः/बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 5 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (10) | पद्यांशः | लघूत्तरात्मकाः/बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 5 |
| (11) | नाट्यांशः | लघूत्तरात्मकाः/बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 5 |
| (12) | श्लोकान्वयः | लघूत्तरात्मकाः | 1 | 5 |
| (13) | प्रश्न-निर्माणम् | लघूत्तरात्मकाः | 1 | 5 |
| (14) | कथाक्रमः | निबंधात्मकाः | 1 | 5 |
| (15) | शब्दार्थमेलनम् | बहुविकल्पात्मकाः | 1 | 5 |
| **पूर्णभारः** | | | | 35 |
| **संपूर्ण भार** | | | | **90** |

**पठित-अवबोधन (खण्ड घ) 3-5 अंकानाम् मूल्यसंबन्धिताः लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः भविष्यन्ति।**

- कक्षा IX के समस्त विद्यार्थियों हेतु माह जनवरी-फरवरी, 2013 में समस्या समाधान मूल्यांकन आयोजित किया जायेगा। इससे संबंधित विवरण एक पृथक परिपत्र में उपलब्ध है।

- समस्या समाधान मूल्यांकन की गणना कक्षा नवीं में रचनात्मक मूल्यांकन-4 के स्थान पर की जायेगी। जोकि कक्षा IX के कुल मूल्यांकन का 10% होता है। इस मूल्यांकन की गणना कक्षा- X के रचनात्मक मूल्यांकन-4 के स्थान पर भी की जायेगी। इस मूल्यांकन में प्राप्तांक/श्रेणी एक भाषा (अंग्रेजी अथवा हिंदी), गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान में कक्षा नवीं के लिए सत्र 2012-13 एवम् कक्षा दसवीं के लिए सत्र 2013-14 में प्रदर्शित होगी।

- विद्यार्थियों को समस्या समाधान मूल्यांकन में प्राप्त प्राप्तांक/श्रेणी में सुधार हेतु कक्षा दसवीं में विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऐसे विद्यार्थी सत्र 2013-14 के माह जनवरी/फरवरी 2014 में कक्षा नवीं के साथ इस मूल्यांकन में पुनः सम्मिलित हो सकते है। ऐसे विद्यार्थी जो कि प्राप्तांक/श्रेणी सुधार हेतु सम्मिलित होगें उनके अंतिम प्रमाण पत्र में उपर्युक्त दोनों प्राप्तांक/श्रेणी में से सर्वोच्च प्राप्तांक/श्रेणी प्रदर्शित की जाऐगी।

- वे विद्यालय जिन्होंने रचनात्मक मूल्यांकन-4 से संबंधी समय सारणी तथा अन्य कार्यक्रमों का पूर्व निर्धारण कर लिया है, वह रचनात्मक मूल्यांकन-3 तथा रचनात्मक मूल्यांकन-4, दोनों में से प्राप्त उत्तम श्रेणी को रचनात्मक मूल्यांकन-3 तथा 4 (दोनो मिलाकर जिसका भार 10% होगा) के स्थान पर आगणित करेंगे।

**संस्कृतम् द्वितीयसत्रस्य पाठ्यक्रमः**

**कक्षा – नवमी**

**अवधिः– अक्तूबर – मार्च (2012–2013) द्वितीय सत्रम्**

**संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्) कोड – 122**

1. (i) **रचनात्मक–मूल्यांकनम्** **20%**

(Formative Assessment)

(ii) **रचनात्मक–मूल्यांकन 3 – 10%**

**रचनात्मक–मूल्यांकन 4 – 10%**

**(Formative 3 10%)**

**(Formative 4 10%)**

**आधारभूत–अधिगम–गतिविधयः**

- ❖ कक्षासु संस्कृतेन वार्तालापः
- ❖ परियोजनाकार्यम्
- ❖ कक्षाकार्यम्
- ❖ गृहकार्यम्
- ❖ पाठ्यसहगामिक्रियाः

**(आधारभूतकौशलानि अधिकृत्य)**

- ❖ श्लोकोच्चारणम्, कवितापाठः, गीतगायनम्, काव्यापाठः
- ❖ गद्यवाचनम्, कथाकथनम्, स्वपरिचयः, परिवेशपरिचयः (संक्षेपेण)
- ❖ लेखनकार्यम् – संकेताधारितकथालेखनम्, वर्णनम्, चित्रकथा, अनुच्छेदलेखनम्, संवादलेखनम्, निबंधलेखनम्, कवीनां जीवनपरिचयः, प्राचीनकवीनां वैशिष्ट्यम्
- ❖ भाषणप्रतियोगिता
- ❖ अन्त्याक्षरी
- ❖ शब्दसंग्रह
- ❖ शब्दकोशनिर्माणम् – (फल–पुष्प–पशु–पक्षी–शाक–गृह–वस्तूनां नानानि)
- ❖ अभिनयः / भूमिकानिर्वाहः
- ❖ समाचार–श्रवणम्–वाचनम् (दूरदर्शनेन आकाशवाण्या च)
- ❖ भाषाक्रीड़ाः
- ❖ सान्द्रमुद्रिका–श्रवणम् / निर्माणम् (C.D.)
- ❖ सूक्तिसंग्रहः, कथासंग्रहः, प्राचीनविज्ञान–सम्बद्ध–लेखसंग्रहः
- ❖ पत्रलेखनम्, पत्रिकासम्पादनम्, भित्तिपत्रिका।
- ❖ वाक्यपूर्तिः
- ❖ दैनिक–व्यवहार–वाक्य– संग्रह
- ❖ प्रातः कालीनसभा

**अवलोकनीयानि तत्त्वानि**

- उच्चारणम्
- गति–यति–लय–भावभंगिमा

- आरोह-अवरोहौ (सम्भाषणे)
- अवबोधनम्
- समुचितबोधनम्:
- विरामचिह्नप्रयोग:
- वर्तनीविन्यास:
- आत्मविश्वास:
- संस्कृत-प्रयोग: (दैनिक व्यवहारे)

**(2) संकलनात्मकं मूल्याङ्कनम्** **30%** **90 अङ्का**
**(Summative Assessment)**
**'क' खण्ड: (अपठित-अवबोधनम्)**
**(10)**

**(एक: गद्यात्मक: खण्ड:)**

70-80 शब्दपरिमिति: गद्यांश (सरलकथा, वर्णनम् वा)

- एकपदेन पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मकं कार्यम् (4)
- अनुच्छेद-आधारितम् भाषिकं कार्यम् (4)
- समुचितं शीर्षकप्रदानम् (2)

**भाषिककार्याय तत्त्वानि**

- वाक्ये कर्तृ-क्रिया पदचयनम्
- कर्तृ-क्रिया-अन्विति:
- विशेषण-विशेष्य-चयनम्
- सर्वनामप्रयोग:
- पर्याय-विलोमपद-चयनम्

**'ख' खण्ड: रचनात्मकं कार्यम्** **15 अङ्का**

(मणिका-अभ्यासपुस्तक-आधारितम्)

i) सङ्केताधारितम् अनौपचारिकं पत्रम् (5)
ii) चित्राधारितम् वर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्
(10)

**'ग' खण्ड अनुप्रयुक्तव्याकरणम्** **30 अङ्का**

**(मणिका-अभ्यासपुस्तक-आधारितम्)**

**1. शब्दरूपाणि**

i) **हलन्तशब्दानां** - राजन् भवत् आत्मन् विद्वस गच्छत्
(6)

**2. संख्यावाचकशब्दानां** - एक, द्वि, त्रि, चतुर, पञ्चन् (6)

**3. धातुरूपाणि** – लोट्-विधिलङ्लकारयोः (6)

i) परस्मैपदिनः – भू (भव्) पठ् हस् नम् गम् (गच्छ्) अस् हन् क्रुध्
नश् नृत् आप् इष् पृच्छ्, कृ, ज्ञा, भक्ष, चिन्त् (3)

ii) **आत्मनेपदिनः** – सेव् लभ् रूच् मुद याच् (2)

iii) **उभयपदिनः** – नी, हृ (हर), भज् पच् (1)

**4. उपपदविभक्तीनां प्रयोगः**

**(वाक्येषु, वार्तालापे, अनुच्छेदे वा)**

**द्वितीया** – समया, निकषा, प्रति, धिक्, विना ।

**तृतीया** – विना, अलम्, हीनः, प्रयोजनम्।

**चतुर्थी** – अलम् (सामर्थ्ये)।

**पंचमी** – आरभ् प्र-मद्, परः अनन्तरम्।

**षष्ठी** – निर्धारणें, वामतः, दक्षिणतः, अनादरे।

**सप्तमी** – स्निह्, विश्वस्, अनु-रज्, भावे।

**5. प्रत्ययाः – वाक्येषु प्रयोगः** (6)

क्त, वक्तवतु, शतृ, शानच्

**'घ' खण्डः (पठित-अवबोधनम्)** **35 अङ्का**

(मणिका (प्रथमः भागः) पाठ्यपुस्तकम् अधिकृत्य)

1. पाठ्यपुस्तकस्य सामग्रीम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम् (15)

i) गद्यांशः (5+5+5)

ii) पद्यांशः

iii) नाट्यांशः

प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि।
भाषिककार्यम्। (बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)

2. द्वयोः श्लोकयोः अन्वयः
(रिक्तस्थानपूर्तिद्वारा)

3. वाक्येषु रेखांकितपदानि अधिकृत्य पञ्च प्रश्नानां निर्माणम् (5)

4. कथाक्रमसंयोजनम् (5)
(क्रमरहित-दशवाक्यानां क्रमपूर्वकं संयोजनम्)

5. शब्दार्थाः (पञ्च) (5)
(सन्दर्भे शब्दप्रयोगद्वारा शब्दार्थमेलनद्वारा वा)
(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)

**पाठानां नामानि** – पुस्तकम्-मणिका (संस्कृत-पाठ्यपुस्तकम्) (नवमश्रेणी)

| **पाठसङ्ख्या** | **पाठनाम** |
|---|---|
| 7 | पाठनाम |
| 8 | कर्मणा याति संसिद्धिम् |
| 9 | विजयताम् स्वदेशः |
| 10 | कोऽहं वदतु साम्प्रतम् |
| 11 | न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते |
| 12 | कवयामि वयामि यामि |
| 13 | भारतीयं विज्ञानम् |
| 14 | भारतेनास्ति मे जीवनं जीवनम् |

टिप्पणी – उत्तराणि केवलं संस्कृतेन लेखितव्यानि

**पाठ्यपुस्तके**

**i)** **मणिका** (पाठ्यपुस्तकम्) भाग-1 संसोधितसंस्करणम्
(प्रकाशनम् : के. मा. शि. बो. द्वारा)

**ii)** **मणिका** (अभ्यासपुस्तकम्) भाग-1 संसोधितसंस्करणम्
(प्रकाशनम् : के. मा. शि. बो. द्वारा)

## प्रश्नपत्र–प्रारूप

**संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्) 122**

**नवमी कक्षा (2012–13)**

**सततं व्यापकम् मूल्यांकनम् (द्वितीयं सत्रम्)**

| खण्डः | विषयाः | प्रश्नप्रकाराः | प्रश्नसंङ्ख्या | मूल्यभारः | अंकाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 'क' | अपठित–अवबोधनम् एकः अनुच्छेदः (70–80 शब्दाः) | | | | |
| (*i*) | एक पदेन, पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मक–कार्यम् | लघूत्तरात्मकाः | 4 | 1×2=2<br>1×2=2 | 4 |
| (*ii*) | अनुच्छेद–आधारितम् भाषिकं कार्यम् | बहुविकल्पात्मकाः | 4 | 1×4=4 | 4 |
| (*iii*) | समुचितं शीर्षकप्रदानम् | लघूत्तरात्मकः | 1 | 2×1=2 | 2 |
| | **कुल भार** | | | | **10** |
| 'ख' | **रचनात्मक–कार्यम्** | | | | |
| (*i*) | अनौपचारिक–पत्रम्<br>(10 रिक्तस्थानपूर्ति द्वारा) | निबन्धात्मकः<br>(1/2 ×10=5) | 1 | 5×1=5 | 5 |
| (*ii*) | चित्रवर्णनम् अनुच्छेदलेखनम् वा (पञ्च वाक्यानि) | निबन्धात्मकः | 1 | 10×1=10 | 10 |
| | **कुल भार** | | | | **15** |
| 'ग' | **अनुप्रयुक्तव्याकरणम्** | | | | |
| (*i*) | शब्दरूपाणि<br>हलन्तशब्दानां | बहुविकल्पात्मकाः | 6 | 1×6=6 | 6 |
| (*ii*) | संख्यावाचकशब्दानां रूपाणि | लघूत्तरात्मकाः | 6 | 1×6=6 | 6 |
| (*iii*) | धातुरुपाणि/ लोट्<br>–विधिलिङ्लकारयोः<br>(*i*) उभयपदी (1)<br>(*ii*) आत्मनेपदिनौ (2)<br>(*iii*) परस्मैपदिनः (3) | बहुविकल्पात्मकाः | 6 | 1×6=6 | 6 |
| (*iv*) | उपपदविभक्तीनां प्रयोगः (वाक्येषु, वार्तालापे, अनुच्छेदे वा) | बहुविकल्पात्मकाः | 6 | 1×6=6 | 6 |
| (*v*) | प्रत्ययाः (वाक्येषु प्रयोगः) | बहुविकल्पात्मकाः | 6 | 1×6=6 | 6 |
| | **कुल भार** | | | | **30** |

| ‘घ’ | पठित–अवबोधनम् | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (*i*) | गद्यांश | बहुविकल्पात्मका: | 2 | 1×2=2 | 5 |
| | | लघूत्तरात्मका:* | 3 | 1×3=3 | |
| (*ii*) | पद्यांश | बहुविकल्पात्मका: | 2 | 1×2=2 | 5 |
| | | लघूत्तरात्मका:* | 3 | 1×3=3 | |
| (*iii*) | नाट्यांशा: | बहुविकल्पात्मका: | 2 | 1×2=2 | 5 |
| | | लघूत्तरात्मका:* | 3 | 1×3=3 | |
| (i*v*) | श्लोकान्वय: (रिक्तस्थानपूर्तिद्वारा) | लघूत्तरात्मका: | 5 | 1×5=5 | 5 |
| (v) | प्रश्न–निर्माणम् | लघूत्तरात्मका: | 5 | 1×5=5 | 5 |
| (*vi*) | कथाक्रम: | निबंधात्मका: | 1 | 5×1=5 | 5 |
| (*vii*) | शब्दार्थमेलनम् | बहुविकल्पात्मका: | 5 | 1×5=5 | 5 |
| | | | | | **35** |
| **संपूर्ण: भार :** | | | | | **90** |

***पठित–अवबोधन (खण्ड घ) 3–5 अंकानाम् मूल्यसंबन्धिता: लघूत्तरात्मका: प्रश्ना: भविष्यन्ति।**

| **क्र. सं.** | **प्रश्न–प्रकारा:** | **प्रश्न संख्या** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|
| 1. | बहुविकल्पात्मका: | 39 | 39 |
| 2. | लघूत्तरात्मका: | 30 | 31 |
| 3. | निबन्धात्मका: | 3 | 20 |
| **योग:** | | 72 | 90 |

## आदर्शप्रश्नाः

**संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्) 122**

**नवमी कक्षा (2012-13)**

**सततं व्यापकम् मूल्यांकनम् (द्वितीयं सत्रम्)**

## खण्ड (क) अपठित अवबोधनम् - 10

प्रश्न 1. अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत-

(10)

कस्मिंश्चित् ग्रामे उत्सवः आसीत् । निर्णयः अभवत् यत् क्षीरव्यञ्जनाय प्रत्येकं जनः स्वगृहात् एकं लघु दुग्धपात्रम् आनीय विशाले पात्रे दुग्धं क्षिपतु। अनेन पर्याप्तं दुग्धं संगृहीतं भविष्यति। सर्वैः निर्णयः स्वीकृतः । रात्रौ एकस्य जनस्य मनसि विचारः उत्पन्नः अभवत्- सर्वे जनाः तु पात्रे दुग्धमेव पातयिष्यन्ति, यदि अहं विशाले दुग्धापात्रे एकम् लघुपात्रमितम् जलम् क्षिपामि तर्हि कः ज्ञास्यति? इति। एवं चिन्तयन् तेन पात्रे जलं क्षिप्तम् अन्यैः अपि एवमेव विचार्य पात्रे दुग्धस्य स्थाने जलम् क्षिप्तम्। प्रातःकाले सर्वेषाम् समक्षं यदा विशालपात्रम् अनावृतम् तर्हि सर्वे विस्मिताः परस्परम् अवलोकन्यतः अतिष्ठन्। सम्पूर्णं विशालपात्रं जलेन एव पूरितम् आसीत्। सर्वे जनाः तूष्णीम् आसन्।

I. एक पदेन उत्तरत- 1 × 2=2

(i) ग्रामे किम् आसीत्?

(ii) सम्पूर्णं विशालपात्रं केन पूरितम् आसीत्?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1 × 2=2

(i) रात्रौ एकस्य जनस्य मनसि:कः विचारः उत्पन्नः अभवत्?

(ii) प्रातःकाले किम् अभवत्?

III. प्रदत्त विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत- 1 × 4=4

(i) इति अत्र किं क्रियापदम् अस्ति?

(क) पर्याप्तम् (ख) संगृहीतम् (ग) दुग्धम् (घ) भविष्यति

(ii) 'चिन्तयित्वा' इति अर्थ गद्यांशे किम् पदं प्रयुक्तम् ?

(क) चिन्तयन् (ख) आनीय (ग) विचार्य (घ) विस्मिताः

(iii) गद्यांशे तेन इति पदम् कस्मै प्रयुक्तम्?

(क) दुग्धाय (ख) जलाय (ग) पात्राय (घ) जनाय

(iv) गद्यांशे अनावृतम् इति क्रिया पदस्य किम् कृर्तपदम् अस्ति ।

(क) समक्षं (ख) सर्वेषाम् (ग) विशालपात्रम् (घ) पात्रम्

IV. अस्य अनुच्छेदस्य कृते समुचितं शीर्षक लिखत। 2

## खण्ड ख (रचनात्मकं कार्यम्) - 15 अङ्काः

प्रश्न 1.भवती गौरी। भवत्याः सखी मुदिता अस्ति। तां प्रति लिखिते पत्रे मञ्जूषायाः पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (½ × 10 = 5)

..........................(1)

तिथिः .....................

प्रिय सखि मुदिते।

सस्नेहं ................(2)।

अद्य एव तव पत्रं ..............(3)। पत्रे लिखितम् आसीत् यत् तव परीक्षाः समाप्ताः। अवकाशाः च ................(4)। इदं ज्ञात्वा मम मनः अति ...............(5) अभवत् यत् अग्रिमे मासे त्वम् मम गृहम् आगमिष्यसि। अहम् उत्सुकतया तव ...............(6) करोमि। यदा त्वम् अत्र आगमिष्यसि .............(7) बहु आनन्दः भविष्यति। ...............(8) मिलित्वा बहु-वार्ताः करिष्यावः, विपणिं गमिष्यावः, .............(9) परिधानानि च क्रेष्यावः। भ्रमणाय अपि गमिष्यावः। मातापितृभ्याम् नमो नमः।

तव...............(10)

गौरी

मञ्जूषा -

| |
|---|
| सखी, प्रसन्नम्, प्राप्तम्, आरब्धाः |
| प्रतीक्षाम्, नमो नमः, तदा, बहूनि, |
| दिल्लीनगरात्, आवाम् |

प्रश्न 2.मञ्जूषायां प्रदत्तपदानां सहायतया चित्रं दृष्ट्वा संस्कृतेन पञ्चवाक्यानि लिखत -(2×5=10)

मञ्जूषा –

| |
|---|
| महिला, वृद्धदम्पती, बाल:बाला च, पुष्पादपम्, उद्यानम्, स्वास्थ्यपथि, विकसति, वृक्षा:, कूजन्ति, क्रीडत:, उत्पतन्ति, धावति, भ्रमति |

अथवा

मञ्जूषाया: प्रदत्तशब्दानां सहायतया 'प्रात:काल: इति विषयम् अधिकृत्य संस्कृतेन पञ्चवाक्यानि लिखत। (2×5=10)

मञ्जूषा –

| |
|---|
| सूर्य:, रमणीयम्, भ्रमन्ति, पक्षिण:, उदेति, जना:, उद्याने, वायौ, क्रीडन्ति, शुद्धे, प्रसन्ना:, पुष्पाणि, प्रसरति, सुगन्ध:, वार्तालापं, कुरुत:, सर्वत्र |

**खण्ड 'ग'**

प्रश्न 1. प्रदत्तविकल्पेभ्य: उचितम् उत्तरम् चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (1×6=6)

I ................ आदेशम् सर्वे पालयन्ति।

(क) राजा (ख) राजानम् (ग) राज्ञ: (घ) राज्ञे

II मनुष्य: स्वप्रयत्नै: .................. कल्याणं कुर्यात्।

(क) आत्मना (ख) आत्मा (ग) आत्मभि: (घ) आत्मन:

III विद्यालयं ............ बालका: परस्परं वार्तालापं कुर्वन्ति।

(क) गच्छन् (ख) गच्छन्त: (ग) गच्छत: (घ) गच्छन्

IV .................... शोभनानि कार्याणि कुर्वन्ति।

(क) भवती (ख) भवत्यौ (ग) भवत्य: (घ) भवती:

V वयम् ................. स्वागतं कुर्म:।

(क) भवन्तम् (ख) भवते (ग) भवता (घ) भवताम्

VI ................. सर्वत्र आदर: भवति।

(क) विदुषा (ख) विदुषाम् (ग) विदुषे (घ) विदुष्य:

प्रश्न 2. मञ्जूषात: उचितपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (1×6=6)

(I) ................. वृक्षे द्वौ खगौ अतिष्ठताम्।

(II) .................. खगयो: एक: पिक: आसीत्।

(III) .................. बालिका: उद्याने क्रीडन्ति।

(IV) .................. युगानि भवन्ति।

(V) इह खलु ................ इन्द्रियाणि।

(VI) त्वम् ................ शोभना बाला असि।

मञ्जूषा –

| |
|---|
| तिस्रः, द्वयोः, पञ्च, चत्वारि, एकस्मिन्, एका |

प्रश्न 3.प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरम् चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (1×6=6)

I सर्वे जनाः सुखिनः ...................।

(क) भवतु (ख) भवताम् (ग) भवतः (घ) भवन्तु

II प्रत्येकं जनः कर्त्तव्यपालनम् ..................।

(क) करोतु (ख) कुरुत (ग) कुरु (घ) कुर्वन्तु

III यूयम् सर्वे गुरून् ..................।

(क) नमेयुः (ख) नमेत (ग) नमेम (घ) नमेतम्

IV योग्याः जनाः सफलतां ..................।

(क) लभताम् (ख) लभेत (ग) लभेताम् (घ) लभन्ताम्

V शोभनः पुत्रः भक्त्या पितरम् .................।

(क) सेवेत (ख) सेवेयाताम् (ग) सेवेरन् (घ) सेवेयाः

IV वयम् पौष्टिकं भोजनं .................।

(क) पचेत् (ख) पचेः (ग) पचेतम् (घ) पचेम

प्रश्न 4. प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (1×6=6)

I त्वं ............ प्रति गन्तुम् इच्छसि।

(क) गृहस्य (ख) गृहम् (ग) गृहे (घ) गृहाणाम्

II ............. हीनाः नराः पशुभिः समानाः भवन्ति।

(क) धर्मात् (ख) धर्मस्य (ग) धर्मेण (घ) धर्मान्

III कविःकालिदासः ............... श्रेष्ठः।

(क) कविभिः(ख) कवेः (ग) कव्योः (घ) कवीनाम्

IV रोगी .................. विश्वसिति।

(क) चिकित्सकम् (ख) चिकित्सकः (ग) चिकित्सके (घ) चिकित्सकाय

V श्रीरामः ............ अलम्।

(क) रावणः (ख) रावणम् (ग) रावणेन (घ) रावणाय

VI अस्माकं परीक्षा ...................... आरब्धा अस्ति।

(क) सोमवासरेण (ख) सोमवासरम् (ग) सोमवासरात् (घ) सोमवासरे

प्रश्न 5.प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत। (1×6=6)

I सुरेशेन ....................... लेखेन अध्यापकः अतुष्यत्। (लिख्+क्त)

(क) लिखितेन (ख) लिखितम् (ग) लिखितस्य (घ) लिखित:

II वयम् एकम् पुस्तकमेलकम् ...............। (दृश्+क्तवतु)

(क) दृष्टवान् (ख) दृष्टवत्य: (ग) दृष्टवन्तम् (घ) दृष्टवत्

III मातरम् पितरम् गुरून् च .................... बाला: तजस्विन: भवन्ति। (सेव्+शानच्)

(क) सेवमाना: (ख) सेवमानाभि: (ग) सेवमानाभ्य:(घ) सेवमानम्

IV स्वदेशे एव ................. सैनिकै: स्वतन्त्रतायै प्रयत्ना: समाधेया:। (स्था+शतृ)

(क) तिष्ठत् (ख) तिष्ठद्भ्य: (ग) तिष्ठद्भि: (घ) तिष्ठत:

V मुनि: वेगेन आश्रमम् .................। (आ+गम्+क्तवतु)

(क) आगतवत् (ख) आगतवन्तम् (ग) आगतवता (घ) आगतवान्

VI नकुलेन बालसमीपम् उपसर्पन् एक: कृष्ण:सर्प: .................................। (दृश+क्त)

(क) दृष्टेन (ख) दृष्टम् (ग) दृष्ट: (घ) दृष्टा:?

**खण्ड: 'घ'**

प्रश्न 1.अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत। (5)

ततश्च स मुनि: तप:प्रभावाद् अहङ्कारम् उपगत:। एकदा असौ मुनि: क्वापि नगरे एकं ब्राह्मणगृहम् एत्य तद्गृहिणीं भिक्षाम् अयाचत। सा पतिव्रता गृहिणी तम् अवदत् – "प्रतीक्षस्व क्षणं, यावद् भर्तु: परिचर्याम् समापये" इति। एतत् श्रुत्वा मुनि: तां कोपदृष्ट्या दृष्टवान्। सा विहस्य अभाषत – "मुने! न अहं बलाका इति"। तत् आकर्ण्य विस्मित: मुनि: "एतत् कथमिव ज्ञातमनया" इति चिन्तयन् तत्र उपाविशत्।

I एकपदेन उत्तरत। (½×2=1)

(i) क: तप:प्रभावाद् अहङ्कारम् उपगत:?

(ii) का विहस्य अभाषत – "मुने! न अहं बलाका इति"?

II पूर्णवाक्येन उत्तरत। (2×1=2)

मुनि: किम् चिन्तयन् तत्र उपाविशत्?

III प्रदत्तविकल्पेभ्य: उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत। (1×2=2)

(i) गद्यांशे 'श्रुत्वा' इति पदस्य किम् पर्यायपदम् प्रयुक्तम्?

(क) दृष्ट्या (ख) अनया (ग) एत्य (घ) आकर्ण्य

(ii) 'सा पतिव्रता गृहिणी तम् अवदत्' अस्मिन् वाक्ये 'तम्' इति सर्वनामपदम् कस्मै प्रयुक्तम्?

(क) भर्तु: कृते (ख) मुनये (ग) अहङ्काराय(घ) ब्राह्मणाय

**उदाहरणार्थम्**

**मूल्यपरक: प्रश्न:**

भर्तुः परिचर्यायाः किम् फलम्?

प्रश्न 2.अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा पदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत। (5)

धत्ते भरं कुसुमपत्रफलावलीनां घर्मव्यथां वहति शीतभवां रुजं च।
यो सर्वमर्पयति चान्यसुखस्य हेतोः तस्मै वदान्यगुरवे तरवे नमोऽस्तु।।

I एकपदेन उत्तरत। (1/2×2=1)

(i) तरुः अन्यसुखस्य हेतोः किम् अर्पयति?

(ii) कस्मै नमोऽस्तु?

II पूर्णवाक्येन उत्तरत। (2×1=2)

तरुः केषां भरं धत्ते?

III प्रदत्तिविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत। (1×2=2)

(i) 'यो' इति पदं कस्मै प्रयुक्तम्?

(क) तस्मै (ख) गुरवे (ग) तरवे (घ) वदान्याय

(ii)'यच्छति' इति पदस्य किं पर्यायपदं पद्ये प्रयुक्तम्?

(क) धत्ते (ख) अर्पयति (ग) वहति (घ) अस्तु

**उदाहरणार्थम्**

**मूल्यपरक: प्रश्न:**

तरुः किमर्थ विशेषतः नमस्करणीयः?

प्रश्न 3. अधोलिखितं नाट्याशं पठित्वा पदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत। (5)

भामाशाह - यद्येत्तर्हि गृह्यताम्। त्रोट्यतां पारतन्त्र्य शृंखलाः स्वकीयैः लौहबाहुभिः। स्वतन्त्रः क्रियतां देशः। (धनराशिं प्रतापचरणयोः अर्पयति)

प्रतापः - (साश्चर्यम्) किमिदं भवान् करोति। नाहं दत्तां सम्पत्तिं पुनः आददामि।

भामाशाहः - (सविनयम्) गृह्यतां भगवन्। देशं धर्मं च रक्षितुम्।

प्रतापः - धन्योऽसि मन्त्रिवर्य। त्वदीया जननी धन्या। सुकुले जातोऽसि।

I एकपदेन उत्तरत। (½×2=1)

(i) कः प्रतापचरणयोः धनराशिम् अर्पयति?

(ii) लौहुबाहुभिः काः त्रोटनीयाः?

II पूर्णवाक्येन उत्तरत। (2×1=2)

(i) भामाशाहः सविनयम् किं वदति?

III प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत। (1×2=2)

(i) 'धन्या' इति पदस्य विशेष्यपदम् किम् अस्ति?

(क) जननी (ख) धन्यो (ग) त्वदीया (घ) सम्पत्तिः

(ii) 'उत्तमे कुले' इति अर्थे किं पदं अत्र प्रयुक्तम्?

(क) जातः (ख) असि (ग) देशम् (घ) सुकुले

**उदाहरणर्थम्**

**मूल्यपरकः प्रश्नः**

सुकुले जातः कः कथ्यते?

प्रश्न 4. निम्नलिखितयोः श्लोकयोः अन्वयं मञ्जूषायाः समुचितं पदं चित्वा पूरयत। (½×10=5)

(क) वेशभूषाशनोपासनापद्धतिः
क्रीडनामोदसंस्कारवृत्त्यादिषु।
यद्धि भिन्नं सदप्यस्त्यभिन्नं सदा
भूतले भाति तन्मामकं भारतम्।।

अन्वयः - यत् ............[1] वेशभूषा-अशन-उपासनापद्धति-क्रीडन-आमोद-संस्कारवृत्ति-आदिषु .............[2] सत्अपि ...........[3] अभिन्नम् अस्ति। ...........[4] मामकम् .............[5] भूतले भाति।

(ख) जाह्नवीचन्द्रभागाजलैः पावितम्
भानुजानर्मदावीचिभिर्लालितम्।
तुङ्गभद्राविपाशादिभिर्भावितं
भूतले भाति मेऽनारतं भारतम्।।

अन्वयः- जाह्नवीचन्द्रभागाजलैः ...............[6] भानुजा नर्मदावीचिभिः ................[7] तुङ्गभद्राविपाशादिभिः ...............[8] मे भारतं ...............[9] अनारतं .................[10]।

मञ्जूषा -

| |
|---|
| भिन्नम्, लालितम्, भूतले, पावितम्, हि, सदा, भावितम्, तत्, भारतम्, भाति |

प्रश्न 5. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत। (1×5=5)

I मात्रा अनुमतः अष्टावक्रः राजसभां गतवान्।

II शिक्षकः राष्ट्रस्य निर्माता भवति।

III सर्पः बिलात् बहिः आगतः।

IV सर्पदुर्जनयोः मध्ये सर्पः एव वरम्।

V अहं गृहं गच्छामि।

मञ्जूषा -

| |
|---|
| कः, कस्य, कयोः, कया, कस्मात् |

प्रश्न 6. अधोलिखितानि वाक्यानि घटनाक्रमानुसारं लिखत। (½×10=5)

I राजसभायां पण्डिताः अष्टावक्रस्य वक्रदेहं दृष्ट्वा तारस्वरेण अहसन्।

II अष्टावक्रः राजानम् अवदत् – यदि भवान् इच्छति तर्हि यद् वस्तु भवदीयम् अस्ति तद् वस्तु मह्यम् यच्छतु।

III अष्टावक्रः उत्तरम् अयच्छत् – एते पण्डिताः मम वक्रदेहं दृष्ट्वा हसन्ति, अहम् एतेषां मूर्खतां दृष्ट्वा हसामि।

IV राजा जनकः प्रभावितः भूत्वा अष्टावक्राय किमपि दातुम् इच्छति।

V अष्टावक्रः पण्डितैः सह <u>शास्त्रार्थम्</u> कृत्वा तान् अजयत्।

VI मात्रा अनुमतः अष्टावक्रः राजसभां गतः।

VII राजा जनकः अष्टावक्रम् अपच्छत् – त्वं किमर्थम् हससि?

VIII अष्टावक्रस्य शास्त्रपाण्डित्यं बुद्धेः चातुर्यं च दृष्ट्वा सर्वे सभास्थिताः पण्डिताः प्रभाविताः भवन्ति।

IX हे राजन्! किम् वक्रे देहे आत्मा अपि वक्रः भवति?

X हसतः पण्डितान् दृष्ट्वा अष्टावक्रः उच्चैः हसितुम् आरभत।

प्रश्न 7. रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुसारम् अर्थम् प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत। (1×5=5)

I भोः कविवर! गृहाण <u>पुष्कलं</u> स्वर्णमयं पारितोषिकम्।

(क) प्रभूतम् (ख) अल्पम् (ग) पुष्पम् (घ) सुन्दरम्

II वर्धन्तां <u>विभवाः</u> सौख्यानि च।

(क) विशिष्टाः (ख) भव (ग) विभुः (घ) धनानि

III यः मह्यम् <u>स्नेहं</u> ददाति तस्मै अहं ज्योतिः ददामि।

(क) धनम् (ख) तैलम् (ग) प्रेम (घ) न इह

IV यानस्याङ्गं हरेःशस्त्रं <u>वर्तुलाकारं</u> चलन्तं यः जानाति सः पण्डितः।

(क) गोलाकारम् (ख) वर्तते (ग) तुलाकारम् (घ) वर्तुलं करोति इति

V राजन्! यत्र जलपूर्णम् <u>सरः</u> भवति तत्र पक्षिणः स्वयम् आयान्ति।

(क) पुरःसरम् (ख) सरोवरः (ग) सर्वः (घ) शिरः

## उत्तरसङ्केताः अङ्कयोजना च
## कक्षा - नवमी
## द्वितीयं सङ्कलनात्मकं मूल्याङ्कनम्

उत्तर 1.

**I. एक पदेन्** 1×2=2

(i) उत्सवः

(ii) जलेन

**II. पूर्णवाक्येन** 1×2=2

(i) सर्वैः निर्णयः स्वीकृतः । रात्रौ एकस्य जनस्य मनसि विचारः उत्पन्नः अभवत्- सर्वे जनाः तु पात्रे दुग्धमेव पातयिष्यन्ति, यदि अहं विशाले दुग्धापात्रे एकम् लघुपात्रमितम् जलम् क्षिपामि तर्हि कः ज्ञास्यति।

(ii) प्रातःकाले सर्वेषाम् समक्षं यदा विशालपात्रम् अनावृतम् तर्हि सर्वे विस्मिताः परस्परम् अवलोकन्यतः अतिष्ठन्। सम्पूर्णं विशालपात्रं

**III.** प्रदत्त विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत- 1×4=4

(i) (घ)भविष्यति (ii) (ग)विचार्य (iii) (घ)जनाय (iv) (ग)विशालपात्रम्

**IV.** **2**

उत्तर 1(1) दिल्लीनगरात् ½×10=5

(2) नमो नमः (3) प्राप्तम् (4) आरब्धाः (5) प्रसन्नम्

(6) प्रतीक्षाम् (7) तदा (8) आवाम् (9) बहूनि (10) सखी

उत्तर 2.मञ्जूषायाः सहायतया छात्राः पञ्चवाक्यानि लेखिष्यन्ति। 2×5=10

एकः अङ्कः तथ्याय, एकः अङ्कः शुद्धभाषाप्रयोगाय।

अथवा

'प्रातःकालः' इति विषयम् आधारीकृत्य मञ्जूषायाः

सहायतया छात्राः पञ्चवाक्यानि लेखिष्यन्ति।

एकः अङ्कः कर्तृ-क्रिया-मेलनाय।

एकः अङ्कः शुद्धवर्तन्यै।।

## खण्ड 'ग'

**उत्तर 1.** **1×6=6**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | (ग) | राज्ञः | II | (घ) | आत्मनः | III | (ख) | गच्छन्तः |
| IV | (ग) | भवत्यः | V | (घ) | भवताम् | VI | (ख) | विदुषाम् |

**उत्तर 2. 1×6=6**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| I | एकस्मिन् | II | द्वयोः | III | तिस्रः |
| IV | चत्वारि | V | पञ्च | VI | एका |

**उत्तर 3.** **1×6=6**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | (घ) | भवन्तु | II | (क) | करोतु | III | (ख) | नमेत |
| IV | (घ) | लभन्ताम् | V | (क) | सेवेत | VI | (घ) | पचेम |

**उत्तर 4.** **1×6=6**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | (ख) | गृहम् | II | (ग) | धर्मेण | III | (घ) | कवीनाम् |
| IV | (ग) | चिकित्सके | V | (घ) | रावणाय | VI | (ग) | सोमवासरात् |

**उत्तर 5.** **1×6=6**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | (क) | लिखितेन | II | (ख) | दृष्टवत्यः | III | (क) | सेवमानाः |
| IV | (ग) | तिष्ठद्भिः | V | (घ) | आगतवान् | VI | (ग) | दृष्टः |

**पठित - अवबोधनम् - 35 अङ्काः**

**उत्तर 1.** **½×2=1**

I (I) मुनिः

(II) पतिव्रता / गृहिणी

II मुनिः 'एतत् कथमिव ज्ञातमनया' इति चिन्तयन् तत्र उपाविशत्। (2×1=2)

III (I) (घ) आकर्ण्य (1×2=2)

(II) (ख) मुनये

मू.प्र.प. पतिव्रतया सर्व पूर्ववृत्तान्तं ज्ञातम्।

**उत्तर 2.**

I (I) सर्वम् (½×2=1)

(II) तरवे

II तरुः कुसुमपत्रफलावलीनां भरं धत्ते। (2×1=2)

III (I) (ग) तरवे (1×2=1)

(ख) अपर्यति

मू.प्र.प. तरुः अन्यसुखाय स्वसर्वस्वम् अर्पयति।

**उत्तर 3.** (½×2=1)

I भामाशाहः II पारतन्त्र्यशंख्लाः

II भामाशाहः सविनयं वदति - गृह्यतां भगवन्।

देशं धर्मम् च रक्षितुम्। (2×1=2)

III I (क) जननी (1×2=2)

II (घ) सुकुले

मू.प्र.प. यः राष्ट्रहिताय सर्वस्वम् अर्पयति स एव सुकुले जातः इति कथ्यते।

**उत्तर 4. (½×10=5)**

(क) (1) हि (2) भिन्नम् (3) सदा

(4) तत् (5) भारतम्

(ख) (6) पावितम् (7) लालितम् (8) भावितम्

(9) भूतले (10) भाति

**उत्तर 5.** (I) कया (II) कस्य (III) कस्मात् (IV) कयोः (V) कः (गच्छति)

**उत्तर 6.**I (VI) मात्रा अनुमतः अष्टावक्रः राजसभां गतः। (½×10=5)

II (I) राजसभायां पण्डिताः अष्टावक्रस्य वक्रदेहं दृष्ट्वा तारस्वरेण अहसन्।

III (X) हसतः पण्डितान् दृष्ट्वा अष्टावक्रः उच्चैः हसितुम् आरभत।

IV (VII) राजा जनकः अष्टावक्रम् अपृच्छत्-त्वं किमर्थम् हससि?

V (III) अष्टावक्रः उत्तरम् अयच्छत् - एते पण्डिताः मम वक्रदेहं दृष्ट्वा हसन्ति, अहं एतेषां मूर्खतां दृष्ट्वा हसामि।

VI (IX) हे राजन्! किम् वक्रे देहे आत्मा अपि वक्रः भवति?

VII (V) अष्टावक्रः पण्डितैः सह शास्त्रार्थम् कृत्वा तान् अजयत्।

VIII (VIII) अष्टावक्रस्य शास्त्रपाण्डित्यं बुद्धेः चातुर्यं च दृष्ट्वा सर्वे सभास्थिताः पण्डिताः प्रभाविताः भवन्ति।

IX (IV) राजा जनकः प्रभावितः भूत्वा अष्टावक्राय किमपि दातुम् इच्छति।

X (II) अष्टावक्रः राजानम् अवदत् - यदि भवान् इच्छति तर्हि यद् वस्तु भवदीयम् अस्ति तत् वस्तु मह्यम् यच्छतु।

**उत्तर 7.** **(1×5=5)**

(I) (क) प्रभूतम् (II) (घ) धनानि (III) (ख) तैलम्

(IV) (क) गोलाकारम् (V) (ख) सरोवरः

## मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न : वाक्यानि पठित्वा वाक्याधारितान् प्रश्नान् उत्तरत -

1. 'सहसा विद्धीत न क्रियाम्, अविवेकः परमापदां पदम्।'
   मनुष्यस्य कष्टानां कारणं किम्?
2. 'फलानि अपि परार्थाय वृक्षा सत्पुरूषाः इवा।'
   वृक्षा इव सत्पुरूषाणां कार्याणि केभ्यः भवन्ति?
3. हे मुने! 'ज्ञानविघ्नोऽहंकारः।'
   अहंकार कस्य नाशं करोति?
4. 'सोत्साहानां' न अस्ति असाध्यम्'
   ये उत्साहिनः भवन्ति तेभ्यः किम् असाध्यम् भवति ।
5. न वैरम् रोचयेत्।
   अन्यैः सह किं न करणीयम्?

उत्तर : मूल्यपरक प्रश्न

(1) अविवेकः
(2) परार्थाय
(3) ज्ञानस्य
(4) न
(5) वैरम्